बी.एस.ओ.सी.-131 : समाजशास्त्र का परिचय
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : BAG/ BAM
पाठ्यक्रम कोडः **BSOC-131**
सत्रीय कार्य कोड : **बी.एस.ओ.सी. -131 /ए.एस.एस.टी./TMA/2026-27**
अधिकतम अंकः **100**

नोटः यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित हैं।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1. संस्कृति के तत्व क्या हैं? चर्चा कीजिए। 20

2. समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान के बीच समानता और असमानताओं पर चर्चा कीजिए। 20

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

3. सामाजिक संस्थाओं के दृष्टिकोणों पर चर्चा कीजिए। 10

4. सरल और जटिल समाजों में भूमिकाओं की तुलना और अंतर कीजिए। 10

5. प्रकार्यात्मकता के आधारो का वर्णन कीजिए। 10

सत्रीय कार्य – III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

6. प्रस्थिति क्या है? 06

7. अनौपचारिक सामाजिक नियंत्रण क्या है? 06

8. संस्कृति लक्षण और संस्कृति संकुल क्या हैं? 06

9. प्रदत और अर्जित स्थिति के बीच अंतर कीजिए। 06

10. समाजीकरण क्या है? 06

1. संस्कृति के तत्व क्या हैं? चर्चा कीजिए।

उत्तर

संस्कृति मानव द्वारा सीखी, साझा की और पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित की जाने वाली जीवन-पद्धति है। इसमें केवल नृत्य, संगीत या साहित्य ही नहीं, बल्कि ज्ञान, विश्वास, मूल्य, नियम, भाषा, तकनीक, प्रतीक, रीति-रिवाज और व्यवहार करने के स्वीकृत तरीके भी आते हैं। ई. बी. टायलर ने संस्कृति को उस जटिल समग्रता के रूप में समझाया जिसमें समाज का सदस्य होने के कारण मनुष्य द्वारा अर्जित ज्ञान, विश्वास, कला, नैतिकता, कानून, प्रथा तथा अन्य क्षमताएँ और आदतें शामिल होती हैं। इस परिभाषा से स्पष्ट है कि संस्कृति जन्मजात नहीं, बल्कि सामाजिक अनुभव से अर्जित होती है।

संस्कृति का भौतिक और अभौतिक पक्ष

संस्कृति के तत्वों को समझने के लिए भौतिक तथा अभौतिक संस्कृति का भेद उपयोगी है। भौतिक संस्कृति में मनुष्य द्वारा बनाई गई वस्तुएँ, औजार, घर, यातायात के साधन, पहनावा, मशीनें और संचार उपकरण आते हैं। अभौतिक संस्कृति में विचार, भाषा, विश्वास, मूल्य, सामाजिक नियम, प्रथाएँ, ज्ञान तथा संस्थागत अर्थ सम्मिलित हैं। जैसे मोबाइल फोन भौतिक संस्कृति है, जबकि उसके उपयोग में गोपनीयता, विनम्रता और संवाद का शिष्टाचार अभौतिक संस्कृति है। दोनों पक्ष परस्पर जुड़े हैं; तकनीकी परिवर्तन के साथ व्यवहार के नए नियम भी विकसित होते हैं। विलियम ऑगबर्न ने इसी असमान गति की स्थिति को सांस्कृतिक विलंब कहा, जहाँ भौतिक आविष्कारों के अनुसार अभौतिक मान्यताओं और संस्थाओं को बदलने में समय लगता है।

भाषा और प्रतीक

भाषा संस्कृति का आधारभूत तत्व है। शब्दों और व्याकरण के माध्यम से अनुभवों, ज्ञान, स्मृतियों तथा मूल्यों को संगठित करके अगली पीढ़ी तक पहुँचाया जाता है। भाषा सामूहिक पहचान को भी अभिव्यक्त करती है। प्रतीक ऐसी वस्तु, ध्वनि, संकेत या क्रिया है जिसे किसी समुदाय में साझा